ये अव्यक्त इशारे

सफलतामूर्त बनो

6-11-2024

सेवा में रहते कहाँ न्यारा बनना होता है और कहाँ प्यारा, इसके ऊपर विशेष अटेन्शन दो। अगर प्यार से सेवा न करो तो भी ठीक नहीं और प्यार में फँसकर सेवा करो तो भी ठीक नहीं। तो प्यार से सेवा करो लेकिन न्यारी स्थिति में स्थित होकर करो तब सफलता होगी। अगर मेहनत के हिसाब से सफलता कम मिलती है तो जरूर प्यारे और न्यारे बनने के बैलेन्स में कमी है।

Become an embodiment of success

In service, you sometimes have to be detached and at other times, loving. Pay special attention to this. If you do not serve with love, that is not right and even if you do service while trapped in love, that is not right either. So, do service with love, but do it while being stable in a stage of detachment and only then will there be success. If you find you have less success than the effort you put in, then definitely something islacking in having the balance of being loving and detached.